Sexcel™ Sexed Genetics

Genus ABS

लिंग निर्धारित वीर्य (Sexed Semen) का उपयोग करते समय

क्या करे और क्या न करे

POWERED BY IntelliGen™ TECHNOLOGIES

Bridging Borders Unleashing Jersey Bull Genetics #PROJECT JERSEY

लिंग निर्धारित वीर्य (Sexed Semen) का उपयोग करते समय क्या करे और क्या न करे

कृपया, लिंग निर्धारित वीर्य का उपयोग करते समय निम्नलिखीत सावधानियों का पालन करे

	क्या करे	क्या न करे
उपयुक्त पशु का चयन (लिंग निर्धारित वीर्य का उपयोग सभी प्राणीओं के लिए न करे)	लिंग निर्धारित वीर्य का उपयोग सर्वप्रथम बछिया में किया जाना चाहिए। तत्पश्चात पहली तथा दूसरी ब्यात (First & Second lactation) की गायों को वरीयता दी जानी चाहिए। चुने हुए प्राणी प्रजनन रुप से निरोगी होने चाहिए।	Sexed Semen हर एक गाय के लिए नहीं है। तीसरी ब्यात या उससे अधिक ब्यात वाली गाय तथा Repeater गाय में Sexed Semen का उपयोग न करे। Uteripश झरींहेश्रेसू से ग्रस्त गायों – मुश्किल और मदद से प्रसुती, गर्भाशय ग्रीवा का क्षोभ, गर्भाशय मांसपेशी का दाह Dystokia Cervicitis, Metritis, Retention of Placenta आदी का इतिहास रहनेवाली गायों के लिए उपयोग न करे।
बछियों का कम से कम शारीरिक वजन	बछियों का प्रजनन उनकी आयु से नहीं बल्की वजन के अनुसार किया जाना चाहिए। लिंग निर्धारित वीर्य उपयोग के लिए बछियों का शारीरिक वजन कम से कम ३०० किलो होना चाहिए। कृत्रिम गर्भाधान से पहले बछियों के कम से कम दो मद चक्र (Natural Estrus Cycles) समाप्त हुई होना चाहिए।	कम वजन के बछियों का उपयोग न करे। बछियों के पहले कुछ चक्र बिना Ovulation के छोटे चक्र होते है (Short Estrus Cycles)।
गर्मी (Heat) एवं गर्भाधान (Insemination)	गर्भाधान Standing heat में विशेषत: सुबह या शाम (आकृती १) के समय किया जाना चाहिए। लिंग निर्धारित वीर्य का सर्वोच्च परिणाम सितंबर से अप्रैल में मिलता है, उस समय भारत में अधिकांश भागों में चारा प्रचुर मात्रा में उपलब्ध होता है। Cervical mucus, पारदर्शी और धागे जैसा होना चाहिए (आकृती २)	Heat stress से ग्रासित गायों में इसका उपयोग न करे। गर्म और आद्र महिनो (Hot & Climate) में बछिया / गाय उच्च गर्मी तथा उच्च आद्रता युक्त वातावरण में तेजी से साँस लेती है (Panting) जिससे Conception प्रभावित होता है। उच्च वातावरणीय तापमान और उच्च आद्रता हवामान यह जानलेवा संयोजक है, जिसका परिणाम गाय की प्रजनन क्षमतापर होता है।
पॅकेजिंग (Packaging)	हरएक गॉब्लेट में १० स्ट्रॉ होते है। उप–वितरण के समय पूरा गॉब्लेट हस्तांतरीत करे। स्ट्रॉ को बार–बार हस्तांतरित न करे।	बार–बार हस्तांतरण करने से स्ट्रॉ / शुक्राणु की गुणवत्ता प्रभावित होती है।
स्ट्रॉ की पहचान (Straw Identification)	कॅनिस्टर टॅग या मार्कर स्ट्रीप से बुल की पहचान करे। हरएक व्हॅसोटयूब / गॉब्लेट मे बुल के नाम की पीले रंग के मार्कर स्ट्रीप उपलब्ध कराई गई है। (आकृती ५) इच्छित स्ट्रॉ निकालने के बाद, कॅनिस्टर जितना जल्द संभव है उसकी मूलस्थिती में रखना चाहिए।	बुल की पहचान के लिए स्ट्रॉ / गॉब्लेट को फ्रॉस्ट लाईन के उपर नहीं उठाना चाहिए। (आकृती ३)

आकृती १:
Standing Heat

आकृती २:
Cervical discharge

आकृती ३: Don't lift the canister above the frost line.

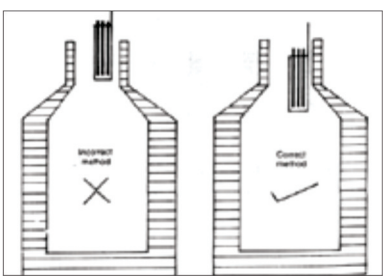

आकृती ४: Placement of semen in the Uterine Body.

वीर्य का हस्तांतरण (Semen transfer)	नायट्रोजन टँक से वीर्य स्ट्रॉ का हस्तांतरण जितनी जल्द हो सके करनी चाहिए ।	स्ट्रॉ उच्च तापमान के संपर्क में नहीं आने देना चाहिए । बार–बार गणना और स्ट्रॉ वितरण से वीर्य की गुणवत्ता कम हो जाती है ।
सिमेन स्ट्रॉ संचालन (Semen straw handling)	सिमेन straw को केवल चिमटी (forcep) के माध्यम से उठाना चाहिए ।	ऊँगलियो के द्वारा straw transfer न करे ।
विगलन (Thawing)	३७ डिग्री तापमान पर ३०–६० सेकंद जाँचने के लिए थॉ मॉनिटर का उपयोग करे । (आकृती ६) स्ट्रॉ निकालने के बाद तुरंत उसे एक हल्का झटका देना चाहिए । Thawing के दौरान पूरा स्ट्रॉ पानी में डूब जाना चाहिए ।	एक समयपर एक से अधिक स्ट्रॉ thaw नहीं करने चाहिए। ऊँगली से तापमान की जाँच न करे । उसके लिए थॉ मॉनिटर का उपयोग अनिवार्य है ।
गर्भाधान (Insemination)	Thawing से पहले एआय गन, शीथ और ग्लोव्हज आदी तैयार रखने चाहिए जिससे Thawing के तुरंत बाद एआय करना संभव हो । पम्प को धीरे से दबाना, जिससे वीर्य बुँद के रुप में गर्भाशय में जमा हो जाएगा (आकृती ४) सामान्य प्रसव दर (Conception rate) ४०% है, अर्थात सामान्य अवस्था में पधू को गर्भित करने के लिए २–३ गर्भाधातों (Insemination) की आवश्यकता होती है । इसलिए इच्छित परिणाम प्राप्त करने के लिए लिंग निर्धारित वीर्य के उपयोग से २–३ लगातार गर्भाधान करने के लिए पशुपालक को प्रोत्साहित करना चाहिए।	Straw thaw करने के बाद शीघ्रातिशीघ्र गर्भाधान करे ।
पोषण (Nutrition)	कृपया , प्राणी के सकारात्मक ऊर्जा में (Postive Energy) होने को सुनिश्चिती करें । कृत्रिम गर्भाधान के कम से कम २ महिने पहले के कालावधी से पशू को जंतूनाशक दवाई और अच्छी गुणवत्ता का खनिज मिश्रण दे रहे है की नही ये जाँचने की शिफारिस की जाती है ।	नकारात्मक ऊर्जा संतुलन (Negative Energy Balance) के प्राणी का चयन न करे । कम खानेवाले (कमजोर) प्राणी के लिए उच्चतम वीर्य का उपयोग करने से भी गर्भधारणा की संभावना बहुत ही कम होती है (आकृती ७)
गुणवत्ता परीक्षण (Past Thaw motility)	लिंग निर्धारित वीर्य की thawing के बाद गतिशीलता सिर्फ IVOS II (CASA) से करनी चाहिए । (आकृती ८)	लिंग निर्धारित वीर्य की thawing के बाद गतिशीलता परीक्षण (Phase contrast microscope) न करे ।

आकृती ५: Goblet and Marker strip for straw identification.

आकृती ६

आकृती ७

आकृती ८

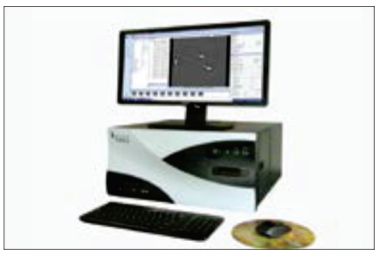

10-28-09-2022

Bridging Borders
Unleashing Jersey Bull Genetics
#PROJECT JERSEY

Genus

आइए सेक्ससेल से लाभ उठाएँ!

पशुओं का चयन

बछिया

- AI से पहले कम से कम दो प्राकृतिक हीट चक्र का दिखना।
- न्यूनतम 250- 300 kg या प्रौढ़ शरीर के वजन का 60-70%
- शरीर के वजन के हिसाब से प्रजनन कराएँ, आयु के हिसाब से नहीं।

गाय / भैंस

- पहले, दूसरे और तीसरे ब्यात में गाय या भैंस लैंगिक वीर्य के उपयोग के लिए सबसे उपयुक्त होते हैं।
- गाय का शरीर पर्याप्त रूप से अच्छी स्थिति में होना चाहिए और उसकी हीट नियमित रूप से आनी चाहिए।
- इस से पहले कठिन प्रसव व गर्भाशय मे संक्रमणसे ग्रसित पशुओं पर इस्तेमाल न करें।
- ज्यादा गर्मी और ज्यादा आर्द्रता के कारण हाँफने वाले पशुओं में AI का इस्तेमाल न करें।
- किसी रिपीट ब्रीडर में दोबारा लैंगिक वीर्य का इस्तेमाल न करें।
- कमजोर पशुओं में लैंगिक वीर्य का इस्तेमाल न करें।

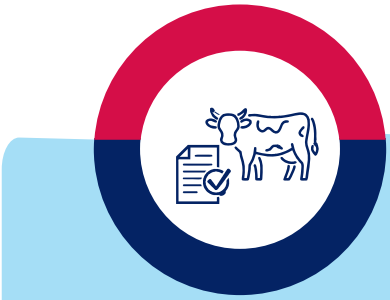

पशुओं को तैयार करना

पहचान

- यह सुनिश्चित करें कि पशु की पहचान 12-अंकीय INAPH कोड का टैग लगा के की गई है।

कृमिनाशन
(पेट के कीड़े मारने की दवा देना)

- सुनिश्चित करें कि नियमित अंतराल पर पशु को पेट के कीड़े मारने की दवा दी जाती है।

पोषक आहार प्रबंधन

- कृतिम गर्भाधान से पहले कम से कम 30 दिनों की अवधि के लिए गुणवत्ता युक्त मिनरल व विटामिन का मिश्रण खिलाएँ।
- अधिकतम गर्भाधान प्राप्त करने के लिए डबल ओवो-सिंक प्रोटोकॉल का इस्तेमाल करने की सलाह दी जाती है। (सिंक्रोनाइज़ेशन की सलाह केवल गायों के लिए दी जाती है।)
- अधिक जानकारी के लिए स्थानीय पशु चिकित्सक से परामर्श लें।

गर्भाधान प्रक्रिया

हीट की पहचान करना

- हीट के लक्षणों की पहचान करें। (स्थायी मदकाल, बेचैनी, जननांगों का सूँघना आदि)
- गर्भाधान का सबसे बढ़िया समय सुबह या देर शाम

गर्भाधान

- बैल के नाम वाले गॉब्लेट में पीले रंग के मार्कर स्ट्रिप की सहायता से वीर्य स्ट्रॉ की पहचान करें। स्ट्रॉ को फ्रॉस्ट लाइन से ऊपर न उठाएँ।
- पानी का तापमान 37° C तक होने की जाँच करने के लिए थाईग मॉनिटर का इस्तेमाल करें। थार्विंग में एक बार में केवल एक स्ट्रॉ होता है।
- स्ट्रॉ को 30-60 सेकेंड के लिए पूरी तरह से पानी में डुबोकर रखना चाहिए।
- थाईग के बाद जितनी जल्दी हो सके गर्भाधान करें।
- वीर्य को हमेशा गर्भाशय में जमा करें और वीर्य को गर्भाशय ग्रीवा या गर्भाशय-फैलोपियन संधि में रखने से बचें और साथ ही ओवरी को छूने से बचें।
- प्रजनन की जानकारी को रिकॉर्ड करें।

जीनस ब्रीडिंग इंडिया प्राइवेट लिमटेड (ABS इंडिया)
पंजीकृत कार्यालय : इटर्नीया प्रिमायसेस को-ऑप सोसायटी, पाचवी मंजील, सी विंग, डी ए युनीट ५०५/५०६, दगडी बंगला के पास, वाकडेवाडी, पुणे - ४११००५ (महा).
वेबसाईट: www.genusabsindia.com
ईमेल: abs.india@genusplc.com

ABS 80 YEARS

Sexcel Sexed Genetics